बंदूक से अग्नि प्रकट कर होली जलाने की सदियों पुरानी परंपरा

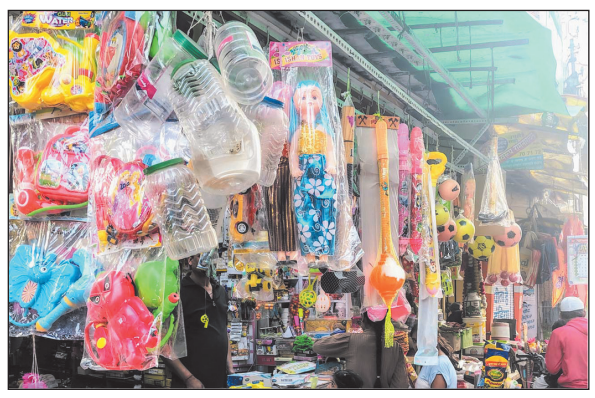

खास बातें
- सिरोंज में शताधिक स्थलों पर होगा होलिका दहन
- होली को लेकर सजे बाजार, रंग, गुलाल, पिचकारी पर महंगाई की मार

नवभारत न्यूज
सिरोंज 26 फरवरी, सिरोंज में होली का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया जावेगा. होली को लेकर शहर में रंग, गुलाल, पिचकारी के बाजार सज गये हैं. शहर के बाजार में आकर्षक रंग गुलाल के साथ ही नई नई तरह की आकर्षक पिचकारियां इस बार बिक्री के लिए मौजूद हैं. वही इस बार पिचकारियों के दामों में भी 10 से 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी दिखाई दे रही है. सिरोंज के श्री हनुमान मंदिर पंचकुईयां क्षेत्र में बंदूक से अग्नि प्रकट कर होली जलाने की सदियों पुरानी परंपरा है.

शहर के श्री हनुमान मंदिर पंचकुईयां क्षेत्र में मुख्य होलिका दहन किया जाता है. जिसके बाद शहर में लोग इस होली की अग्नि ले जाकर अन्य स्थानों पर होलिका दहन करते हैं. वही स्थानीय श्री मदन मोहन मंदिर प्रांगण में भी विशाल होलिका दहन किया जाता है. यहां से भी कई लोग होली की अग्नि ले जाकर होलिका दहन करते हैं. भारत कई मान्यताओं एवं परंपराओं का देश है. देश के कई हिस्सों में सदियों से कई मान्यताएं एवं परंपराएं प्रचलित है. सिरोंज काफी प्राचीन एवं ऐतिहासिक नगरी रही है. यहां पर भी प्राचीन काल से कई मान्यताएं एवं परंपराएं प्रचलित रही है. सिरोंज के श्री हनुमान मंदिर पंचकुईयां क्षेत्र में बंदूक की गोली से अग्नि प्रकट कर होलिका दहन करने की सदियों पुरानी परंपरा है. इसके बाद शहर के लोग इस मुख्य होली से अग्नि लेकर जाते हैं. तथा शहर के अन्य ईलाकों में होलिका दहन करते हैं. शहर के बुजुर्ग बताते हैं कि श्री हनुमान मंदिर के पास पंचकुईयां पर बंदूक से अग्नि प्रकट कर होलिका दहन की परंपरा काफी पुरानी है. नवाब काल से ही यह परंपरा चली आ रही है. प्राचीन समय से ही शहर में सबसे पहले श्री हनुमान मंदिर पंचकुईयां क्षेत्र में ही होलिका दहन किया जाता रहा है. जिसके बाद ही शहर के लोग अन्य स्थानों पर होलिका दहन करते थे. इसके लिये शहर के लोग श्री हनुमान मंदिर पंचकुईयां की मुख्य होली से ही अग्नि ले जाकर अपने-अपने मोहल्लों में होलिका दहन करते हैं.

होली को लेकर सजे बाजार, आकर्षक रंग, गुलाल, पिचकारी की भरमार

होली के त्यौहार को लेकर बाजार भी सज गया है. इस दौरान बाजार में नई नई तरह की आकर्षक पिचकारियों के साथ ही रंग, अबीर गुलाल बिक्री के लिए मौजूद हैं. इनकी खरीदी को लेकर बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है. बाजार में आकर्षक रंगों के साथ ही तरह-तरह की आकर्षक पिचकारियां भी बिक्री के लिए मौजूद रही. दुकान संचालक रवि लखपति ने बताया कि हर वर्ष की अपेक्षा इस बार पिचकारियों के दामों में करीब 10 से 20 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी हुई है. वही इस बार बाजार में विभिन्न तरह के रंग, गुलाल के साथ कई आकर्षक पिचकारियां बिक्री के लिए मौजूद हैं. इस बार इलेक्ट्रॉनिक पिचकारी, टैंक वाली पिचकारी की खरीदी को लेकर लोगों में उत्साह दिख रहा है.

सिरोंज में शताधिक स्थानों पर होगा होलिका दहन

सिरोंज में शताधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया. जानकारी के अनुसार शहर में लोगों ने करीब 80 सार्वजनिक स्थलों के साथ ही कई घरों एवं आसपास के क्षेत्र में भी होलिका दहन किया गया. प्रशासन ने भी होली के त्यौहार को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई.

नपा उपयंत्री की कार्य प्रणाली से लोग परेशान

पार्षद कई बार कर चुके शिकायत

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा 26 फरवरी, नगर पालिका परिषद में पदस्थ उप यंत्री नरेंद्र चौहान तीन दिन गंजबासौदा नगर पालिका में ड्यूटी करते हैं तथा दो दिन बेगमगंज में.उन्होंने दोनों जगह अटैचमेंट करा रखा है.ऐसा प्रतीत होता है कि वह ठीक से ड्यूटी कहीं नहीं कर रहे हैं.

पार्षद फोन लगाते हैं तो वह मोबाइल उठाते नहीं है.नगर पालिका की हालत बहुत बुरी देखने में आ रही है. अधिकारी कर्मचारी बे लगाम हो गए हैं.उप यंत्री नरेंद्र चौहान को लगभग 1 लाख से अधिक वेतन मिलता है.वह किसी की परवाह नहीं करते. भोपाल में बैठे संबंधित विभाग के अधिकारियों का उन्हें संरक्षण प्राप्त है.नगर में चल रहे निर्माणाधीन कार्यों पर भी ध्यान नहीं देते.पार्षद लिखित में शिकायत भी कर चुके हैं.परंतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता. इससे नगर पालिका के कामकाजों पर बुरा असर पड़ रहा है.मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी चौहान की कार्य प्रणाली से त्रस्त है.उनका कहना है कई बार समझने के बाद उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा है.

एक नजर में

4 दिन मंडी में रहेगा अवकाश

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा,कृषि उपज मंडी में चार दिन नीलामी नहीं होगी. शनिवार से मंगलवार तक मंडी का कामकाज बंद रहेगा.मंडी सचिव ने बताया की किसान अपना अनाज लेकर मंडी न आवें व्यापारियों मजदूरों को भी सूचना दे दी गई है. शनिवार रविवार गजरथ महोत्सव, और होली का त्यौहार के कारणों के चलते छुट्टियां रहेंगी.

गोसेवक, मानस-उपासक सरयू शरण मिश्रा का 92 वर्ष में साकेत गमन

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, समीपस्थ ग्राम करोंदा कला स्थित रामदास चरण पादुका मंदिर के पुजारी, गौ-ब्राह्मण-संत सेवी एवं वैष्णव परंपरा के साधक आयु वयोवृद्ध सरयू शरण जी मिश्रा का मंगलवार रात 24 फरवरी 2026 को रात 8 बजे साकेतगमन हो गया. उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड गई.श्रद्धालु समाज ने एक सरल, संयमी और रामभक्ति में रमे राम प्रेमी का सान्निध्य खो दिया है. गृहस्थ जीवन में भी श्री मिश्रा का सम्पूर्ण जीवन श्रीरामचरितमानस की साधना, त्याग और भक्ति को समर्पित रहा.वे केवल पुजारी नहीं, बल्कि रामनाम के साधक और ग्रामीण समाज के मार्गदर्शक थे.प्रभु-प्रेम, नाम-स्मरण और संयमित जीवन के उनके उपदेशों ने अनेक श्रद्धालुओं को भक्ति-पथ पर अग्रसर किया. मंदिर सेवा के साथ-साथ उन्होंने गौसेवा, संतसेवा और समाज में सद्भाव की भावना को निरंतर आगे बढ़ाया. बुधवार सुबह ग्राम करोंदा कला में श्री मिश्रा का अंतिम संस्कार वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न हुआ.उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु, संतजन के साथ साथ उनके पुत्र त्रिलोकी शरण मिश्रा, हरिशंकर मिश्रा तथा नाती ब्रजेश मिश्रा, सीताशरण मिश्रा और विकास मिश्रा शामिल रहे.

सिरोंज अस्पताल के लिये डायलिसिस मशीन का क्रय आदेश जारी

नवभारत न्यूज
सिरोंज, विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों से शासकीय राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय सिरोंज हेतु डायलिसिस मशीन का क्रय आदेश जारी हो गया है. जानकारी के अनुसार विधायक उमाकांत शर्मा ने विधानसभा में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से सामग्री एवं उपकरण क्रय के संबंध में तारांकित प्रश्न लगाया था. जिसमें उन्होंने विभाग से संबंधित विभिन्न जानकारी के साथ ही शासकीय राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय सिरोंज में डायलिसिस मशीन क्रय करने की कब तक समस्त प्रक्रिया पूर्ण होने की जानकारी एवं प्रक्रिया किस स्तर पर लंबित होने के संबंध में जानकारी मांगी गई थी. इसके साथ ही सिविल अस्पताल सिरोंज में सोनोग्राफी मशीन का संचालन कब तक होने की जानकारी भी मांगी गई थी. जिस पर उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेंद्र शुक्ल द्वारा उनके प्रश्न से संबंधित विभिन्न जानकारियां देने के साथ ही बताया गया कि शासकीय राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय सिरोंज हेतु डायलिसिस मशीन का क्रय आदेश 3 फरवरी को जारी किया गया है. सिविल अस्पताल सिरोंज में सोनोग्राफी मशीन 2 जून 2025 को स्थापित की गई है. प्रशिक्षित विशेषज्ञ व चिकित्सक पदस्थ न होने के कारण मशीन अक्रियाशील है. प्रशिक्षित मानव संसाधन की पदस्थापना उपरांत मशीन संचालित की जा सकेंगी.

भटोली क्षेत्र में मिले काले हिरण के अवशेष

नवभारत न्यूज
सिरोंज, सिरोंज बीना रोड पर भटौली क्षेत्र में बुधवार को काले हिरण के अवशेष मिलने की जानकारी मिली है. हालांकि प्रारंभिक तौर पर जंगली जानवरों से इस काले हिरण को नुकसान पहुंचाना बताया जा रहा है.

बीते दिनों सिरोंज तहसील के ग्राम गोपालनगर एवं दीकनाखेड़ा के बीच रोड किनारे काला हिरण के सिर एवं अवशेष मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी. जिसके बाद बुधवार को सिरोंज बीना रोड पर भटौली क्षेत्र में काले हिरण के अवशेष पड़े होने की सूचना मिली. जिसपर पुलिस ने मौके पर पहुंची एवं वन विभाग को जानकारी दी. वन विभाग के रेंजर बृज मीणा ने बताया कि भटौली क्षेत्र में बुधवार को काले हिरण के अवशेष मिले है. प्रारंभिक तौर पर जानवरों से इस काले हिरण को नुकसान होना प्रतीत हो रहा है.

गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन 7 मार्च तक

नवभारत न्यूज
विदिशा, शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं, चना एवं मसूर के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन जिले में निरंतर जारी है.किसानों की सुविधा के लिए विदिशा जिले की विभिन्न तहसीलों में कुल 113 सहकारी समितियों द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर नि:शुल्क पंजीयन किया जा रहा है, वहीं एमपीऑनलाइन एवं सीएससी के 406 केन्द्रों पर 50 रुपये निर्धारित शुल्क के साथ पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है.

आवारा सांडों से परेशान लोग, प्रशासन बेखबर

सांची नगर में बढ़ता आतंक, हाट-बाजार और मुख्य मार्गों पर दहशत का माहौल

नवभारत न्यूज
सांची,नगर में इन दिनों आवारा पशुओं, विशेषकर सांडों की बढ़ती संख्या आमजन के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है. मुख्य सड़कों, बाजार क्षेत्रों और होटलों के आसपास इनका जमावड़ा लगा रहता है, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को जोखिम उठाकर निकलना पड़ रहा है.

सबसे बड़ी चिंता आवारा और आक्रामक सांडों को लेकर है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कई बार ये सांड भीड़भाड़ वाले इलाकों में आपस में भिड़ जाते हैं, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है. हाट-बाजार के दिन, जब सप्ताह भर के उपयोग की वस्तुएं खरीदने बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, तब स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है। बाहर से आने वाले दुकानदारों को भी अपने सामान की सुरक्षा के साथ-साथ सांडों को भगाने की मशक्कत करनी पड़ती है, जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित होता है.नगरवासियों का कहना है कि पूर्व में भी कई लोग सांडों की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वाहन चालकों के लिए भी यह खतरा लगातार बना रहता है. कई बार पशु स्वयं भी वाहनों की टक्कर से जान गंवा बैठते हैं.सरकार द्वारा आवारा पशुओं के संरक्षण हेतु गौशालाओं के निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं, किंतु स्थानीय स्तर पर इनके संचालन को लेकर प्रश्नचिह्न उठ रहे हैं. नागरिकों का आरोप है कि कई बार पशुओं को गौशालाओं में भेजा तो जाता है, परंतु वे पुन: सड़कों पर नजर आते हैं. जबकि शासन द्वारा चारे और देखरेख हेतु अलग से फंड उपलब्ध कराए जाने की बात कही जाती है.

इस संबंध में नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रालियों के माध्यम से पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भिजवाया जाएगा, जिससे समस्या का समाधान किया जा सके.वहीं मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामलाल कुशवाहा ने बताया कि पांच कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जो सड़कों से पशुओं को हटाने का कार्य करेंगे.आगामी परिषद बैठक में पशु वाहन क्रय करने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा, ताकि स्थायी व्यवस्था बनाई जा सके.नगरवासियों का कहना है कि घोषणाओं से अधिक अब धरातल पर कार्रवाई की आवश्यकता है.यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या किसी दिन बड़े हादसे का रूप ले सकती है.

नपा करों की वसूली हेतु चला रही अभियान

नवभारत न्यूज
सिरोंज, नगरपालिका द्वारा वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व नपा के बकाया विभिन्न करों की वसूली को लेकर प्रयास किया जा रहा है. इसी कड़ी में नपा द्वारा जिन लोगों के संपत्ति कर, समेकित कर, जलकर एवं दुकानों का किराया बकाया है, उन लोगों से नपा द्वारा कर जमा कराये जा रहे हैं. बुधवार को शहर के एक नागरिक द्वारा नपा में संपत्ति कर की राशि 1 लाख 6 हजार जमा कराई गई. जिसपर नपा के प्रभारी राजस्व निरीक्षक बालमुकुंद कुशवाह ने उनका आभार जताते हुए स्वागत किया. इस दौरान नपा द्वारा शहर के सभी नागरिकों से समय पर

संपत्ति कर, समेकित कर, जलकर जमा कराने की अपील की गई. इस दौरान नपा के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे.

बोहत बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विदिशा में हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज
विदिशा, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश बेनीवाल, राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कमल सिंह, देवास से राष्ट्रीय सचिव राजू सांगते एवं प्रदेश नेतृत्व की सहमति से सुभाष बोहत एडवोकेट को संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

नियुक्ति के उपलक्ष्य में विदिशा स्थित उनके अधिवक्ता चेंबर में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया. समर्थकों एवं समाजजनों ने शाल-श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से सम्मान कर मिठाइयाँ वितरित कीं तथा नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया.कार्यक्रम में बताया गया कि संगठन का गठन विधिवत पंजीयन क्र मांक 7262 से किया गया है, जिसके तहत यह एक स्वतंत्र एवं पंजीकृत श्रमिक संगठन के रूप में कार्यरत है और देशभर के सफाई कर्मचारियों एवं श्रमिक वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है.नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष बोहत एडवोकेट ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज सेवा का संकल्प है. उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रहित, समाजहित तथा विशेष रूप से वाल्मीकि एवं सफाई कर्मचारी समाज के सम्मान, अधिकारों और समग्र उत्थान के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे.इस अवसर पर चौधरी राजेंद्र गौहर, मुन्ना लाल मैना, रमेश पथरौल, विष्णु प्रसाद मारोठिया, संतोष चावरिया, आनंद घेंघट, धनराज चावरिया, नरेंद्र चौहान, रवि घेंघट, मनोज कटारे, विनोद खरे, छोटू बोहत, राजेश चावरिया, जितेंद्र महरौलिया, ताराचंद घेंघट, विक्की कटारे, संजीव घेंघट, सुनील भैरबे, लखन चौहान, ताराचंद बोहत, राजू करोसिया, राजू चावरिया, राजा घेंघट, अशोक महरौलिया, भारत लोहत सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समाजजन उपस्थित रहे.

नदी किनारे बाल एवं मेडिकल कचरे का अमानवीय निस्तारण बना गंभीर चिंता का विषय

साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5 .0 का बीसवां चरण सम्पन्न

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत बीसवें चरण का नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम रिपटा घाट पर आयोजित किया गया. वर्षों से निरंतर चल रहे इस स्वच्छता एवं जन जागरूकता-अभियान के तहत श्रमदान दल के सदस्यों ने घाट क्षेत्र में फैली गंदगी को एकत्रित कर नदी को स्वच्छ रखने का प्रयास किया. लेकिन इस बार जो दृश्य सामने आया, उसने केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया.घाट क्षेत्र में मुंडन संस्कार के लिए निर्धारित स्थान होने के बावजूद बड़ी मात्रा में इधर-उधर कटाए गए बाल फैले मिले.यह स्थिति न केवल अस्वच्छता को बढ़ावा देती है, बल्कि नदी की पारिस्थितिकी के लिए भी हानिकारक है. यही कारण है कि भारतीय रेल में कार्यरत श्रमदान दल के सदस्य मुकेश अहिरवार कहते है कि नियमों को तोड़ कर अव्यवस्था और गंदगी फैलाना कोई बहादुरी पूर्ण कार्य नहीं है. क्यों कि बाल जल में सड़कर दुर्गंध, जल की गुणवत्ता में गिरावट और सूक्ष्म जीवों के असंतुलन का कारण बनते हैं. यह केवल धार्मिक अवशेष नहीं, बल्कि प्रदूषण का स्रोत बन जाते हैं.

मेडिकल व सर्जिकल कचरे ने बढ़ाई चिंता

पिछले कुछ दिनों से घाट पर मेडिकल सामग्री का अवैध निस्तारण किया जा रहा है गंभीर बात यह रही कि श्रमदान करते समय घाट किनारे मेडिकल व सर्जिकल कचरे की बड़ी मात्रा पाई गई.उपयोग की गई, एवं एक्सपायर रैपिड डायग्नोस्टिक किट, मेडिकल पैकेजिंग और अन्य चिकित्सीय अपशिष्ट खुले में पड़े मिलना असंवेदनशीलता का हिस्सा है.विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार का जैव-चिकित्सीय कचरा संक्रमण फैलाने, जल को विषाक्त करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा उत्पन्न करने की क्षमता रखता है. यह न केवल पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मानवता के विरुद्ध एक गंभीर लापरवाही भी है. श्रमदान दल के सदस्य नितिन अग्रवाल ने इस संबंध में अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यह अमानवीयता की पराकाष्ठा ही है जो नदी को माँ कहने वाला समाज उसी माँ की गोद में मेडिकल कचरा फेंके, तो इसे क्या कहा जाए? श्रमदान दल के सदस्यों ने इसे अमानवीयता की पराकाष्ठा बताते हुए कहा कि धार्मिक आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच का यह विरोधाभास चिंताजनक है. श्रमदान दल के समाज से प्रश्न किये क्या नदी केवल श्रमदानियों के भरोसे साफ रहेगी.क्या निर्धारित स्थान होने के बावजूद नियमों की अनदेखी करना उचित है.क्या हम अपनी सुविधा के लिए आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं.दल का मानना है कि नदी को स्वच्छ रखना प्रशासन, संस्था या कुछ स्वयंसेवकों का कार्य नहीं.

आयोजन | **शताब्दी वर्ष पर उत्कर्ष भवन में आयोजित हुई नगर के प्रबुद्धजन की गोष्ठी**

शताब्दी वर्ष पर संघ की सेवा-यात्रा का मंथन, 'पंच परिवर्तन' से समाज में बदलाव का आह्वान

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, संघ के शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज के लिए नए संकल्प का अवसर मानते हुए उत्कर्ष भवन में प्रबुद्धजन गोष्ठी आयोजित की गई. कार्यक्रम में संघ की 100 वर्षों की सेवा-यात्रा और 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से समाज को संगठित करने की दिशा पर चर्चा हुई. प्रबुद्धजन गोष्ठी नगर के प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे.

स्थानीय बहलोट रोड बायपास स्थित संघ के उत्कर्ष भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी में अतिथि वक्ता संघ के अनिल डागा ने बताया कि राष्ट्र निर्माण की यात्रा केवल सत्ता या व्यवस्थाओं से नहीं, समाज की चेतना से आगे बढ़ती है। इसी चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर उत्कर्ष भवन में प्रबुद्धजन गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें सेवा, संगठन और संस्कार की 100 वर्षों की यात्रा पर विचार हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई. संघ के मध्य क्षेत्र ग्राम विकास प्रमुख अनिल डागा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे.

अपने संबोधन में अनिल डागा ने संघ की 100 वर्षों की सेवा-यात्रा को सामाजिक परिवर्तन की सतत प्रक्रिया बताया. उन्होंने कहा कि संघ ने अपने आरंभिक काल से ही समाज को संगठित करने, राष्ट्रभाव को जागृत करने और सेवा को साधना के रूप में अपनाने का कार्य किया है. प्राकृतिक आपदाओं, महामारी, सामाजिक संकटों और ग्रामीण अंचलों के विकास में संघ के स्वयंसेवक निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के साथ खड़े रहे हैं. उन्होंने बताया कि संघ द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और संस्कार निर्माण जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है. सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर, आपदा के समय राहत कार्य, जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना और ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना संघ की दीर्घकालीन सेवा यात्रा का हिस्सा रहा है. मुख्य वक्ता ने 'पंच परिवर्तन' को शताब्दी वर्ष का नया संकल्प बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से समाज में जीवन शैली, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव और नागरिक कर्तव्यबोध जैसे विषयों पर व्यवहारिक परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखा गया है. उन्होंने कहा कि परिवर्तन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आचरण से शुरू होता है. जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है.उन्होंने 'स्व' के भाव के जागरण पर बल देते हुए कहा कि भारत का इतिहास त्याग, तप और बलिदान की परंपरा से निर्मित है. राष्ट्र निर्माण की यात्रा में महापुरुषों ने अपने जीवन समर्पित किए.आज आवश्यकता है कि समाज उस परंपरा को केवल स्मरण न करे, बल्कि उसे अपने आचरण में उतारे. उन्होंने बताया कि संघ द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और संस्कार निर्माण जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है. सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर, आपदा के समय राहत कार्य, जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना और ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना संघ की दीर्घकालीन सेवा यात्रा का हिस्सा रहा है.गोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्धजनों और मातृशक्तियों से सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की गई.वक्ताओं ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज को आत्ममंथन और नए संकल्पों की ओर ले जाने का समय है.कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्धजन, समाजसेवी और विभिन्न वर्गों के नागरिकों की सहभागिता रही.

विमुक्त, घुमंतु एवं अर्धघुमंतु परिवारों के सर्वे हेतु प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज
विदिशा, प्रदेश के विदिशा जिले में निवासरत विमुक्त, घुमंतु एवं अर्धघुमंतु परिवारों के चिन्हांकन एवं समर्थ पोर्टल पर पंजीयन के लिए म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है. यह कार्य पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के 12 जिलों में प्रारंभ किया गया है, जिसमें विदिशा जिला भी शामिल है.कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज जिला ई-दक्ष कक्ष में जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुआयना किया. उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित किया है.इस प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों से चिन्हांकित कुल 35 सर्वेक्षणकर्ताओं ने सहभागिता की.प्रत्येक विकासखंड से 5 सर्वेक्षणकर्ताओं का चयन कर उन्हें सर्वे कार्य के संबंध में प्रशिक्षित किया गया. प्रशिक्षण के दौरान सर्वेक्षणकर्ताओं को समर्थ पोर्टल पर पंजीयन प्रक्रिया, सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली तथा डेटा संकलन की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई.

अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई

नवभारत न्यूज
विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध गैस रिफिलिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई. जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि बुधवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिताली मेहरा एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी पिंकी शाक्य के नेतृत्व में अटारी खेजड़ा में छापामार कार्रवाई की गई.

कार्रवाई के दौरान राजेश कुमार दांगी पिता कल्याण सिंह दांगी के निवास से अवैध रूप से रखे गए कुल 22 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें 11 भरे हुए घरेलू सिलेंडर, 4 आंशिक भरे घरेलू सिलेंडर, 3 व्यावसायिक सिलेंडर तथा 5 छोटे (5 किलोग्राम) गैस सिलेंडर शामिल हैं.इसके अतिरिक्त मौके से 2 गैस रिफिलिंग मशीन मय नोजल पाइप तथा 12 घरेलू गैस उपभोक्ताओं की पासबुक भी जब्त की गई। जब्त सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 66 हजार रुपये बताया गया है.जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि संबंधित द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी एक्ट) के प्रावधानों का उल्लंघन पाएं जाने पर संबंधित के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है.अवैध गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके.